कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (81) खण्ड - {161}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- हमको कोई चित्र आदि याद नहीं करना है। अन्त में याद सिर्फ यह रहेगा ?

A- अब घर जाना है

B- मेरा बाबा

C- फिर चक्र में आयेंगे

D- हम आत्मा मूलवतन की रहने वाली हैं

प्रश्न 2- संकल्प वा बोल का प्रत्यक्ष प्रमाण-

A- सर्व प्रति शुभ भावना

B- कर्म

C- रूहानियत

D- मुस्कराहट

प्रश्न 3- तुम्हारा सुप्रीम कमान्डर कौन है ?

A- शिवबाबा

B- ब्रम्हाबाबा

C- बाप-दादा

D- मम्मा बाबा

प्रश्न 4- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- महारथी,

B- घोड़ेसवार,

C- प्यादे

D- कैप्टन

प्रश्न 5- गरीब का एक रूपया, साहूकार का ..... बराबर हो जाता है। गरीब के पास है ही थोड़ा तो क्या कर सकते हैं। हिसाब है ना।

A- एक हजार

B- एक लाख

C- सौ

D- 10 लाख

प्रश्न 6- बच्चों को आपस में मिल राय निकालनी चाहिये ?

A- सर्विस की वृद्धि कैसे हो

B- पुरूषार्थ तीव्र कैसे हो

C- सबको बाप का परिचय कैसे दे

D- विनाश सामने खड़ा है,कैसे सबको बताएं

प्रश्न 7- तीनों लोकों को कौन जानते है ?

A- देवता

B- हम ब्राह्मण

C- साधू संन्यासी

D- A और B

प्रश्न 8- जब और सब संकल्प शान्त हो जाते हैं, बस एक बाप और आप । इस मिलन की अनुभूति का संकल्प रहता है तब -

A- अतीन्द्रिय सुख की अनुभूति होती है

B- समाने की शक्ति आती है

C- तब विकर्म विनाश होते हैं

D- संकल्प शक्ति जमा होती है और योग पावरफुल हो जाता है

प्रश्न 9- बाप का प्लान है ?

A- पत्थर बुद्धि को पारस बुद्धि बनाना

B- सबको भगवान का परिचय देना

C- पुरानी को नयी बनाना

D- सबको साथ ले जाना

प्रश्न 10- क्या बन कर इस बेहद के नाटक को यथार्थ रीति समझना है ?

A- विशाल बुद्धि

B- साक्षी दृष्टा

C- त्रिकाल दर्शी

D- दूरादेशी

प्रश्न 11- अगर ब्रेक लगाने में एक सेकण्ड से ज्यादा समय लगता है तो.....शक्ति कमजोर है ?

A- परिवर्तन

B- परखने की

C- समाने की

D- सामना करने की

प्रश्न 12- संगमयुगी ब्राह्मणों की विशेषता है ?

A- पवित्रता

B- संतुष्टता

C- अतीन्द्रिय सुख में झूलना

D- सबको सुख देना

प्रश्न 13- तुम्हारा जीवन बहुत अमूल्य है क्योंकि -

A- तुम भगवान के मदद गार बनते हो

B- तुम्हें भगवान ने चुना है

C- तुम श्रीमत पर नयी दुनिया की स्थापना के निमित्त हो

D- तुम विश्व की सर्विस करते हो

प्रश्न 14- सतयुग के नाम है -

A- शिवालय

B- पावन दुनिया

C- स्वर्ग

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- तुम जानते हो हम विश्व के मालिक पारसनाथ थे। फिर 84 जन्म लेते-लेते अब ..... बन पड़े हैं।

A- पतित

B- पत्थरबुद्धि

C- विकारी

D- पत्थरनाथ

प्रश्न 16- कौन से संकल्पों के बंधन में बंधना ही मन्सा बंधन है ?

A- व्यर्थ संकल्पों

B- अलबेलेपन

C- आलस्य

D- उपरोक्त सभी

भाग (81) खण्ड {161} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.हम आत्मा मूलवतन की रहने वाली हैं*

हमको कोई चित्र आदि याद नहीं करना है। *अन्त में याद सिर्फ यह रहेगा कि हम आत्मा हैं, मूलवतन की रहने वाली हैं,* यहाँ हमारा पार्ट है। यह भूलना नहीं चाहिए। यह मनुष्य सृष्टि के चक्र की ही बातें हैं और बहुत सिम्पुल हैं। इसमें चित्रों की बिल्कुल दरकार नहीं क्योंकि यह चित्र आदि सब हैं भक्ति मार्ग की चीज़ें।

उत्तर 2- *B.कर्म*

जैसे राइट हैण्ड से सदा शुभ और श्रेष्ठ कर्म करते हैं। ऐसे आप राइट हैण्ड बच्चे सदा शुभ वा श्रेष्ठ कर्मधारी बनो, आपका हर कर्म ऊंचे ते ऊचे बाप को प्रत्यक्ष करने वाला हो। क्योंकि *कर्म ही संकल्प वा बोल को प्रत्यक्ष प्रमाण के रूप में स्पष्ट करने वाला होता है।*

उत्तर 3- *A.शिवबाबा*

बाप समझा रहे हैं *ऊंच ते ऊंच है भगवान फिर उनको ऊंच ते ऊंच कमान्डर इन चीफ आदि भी कहो क्योंकि तुम सेना हो ना।* तुम्हारा सुप्रीम कमान्डर कौन

है? यह भी जानते हो दो सेनाये हैं - वह है जिस्मानी, तुम हो रूहानी। वह हद के, तुम बेहद के।

उत्तर 4- *D.कैप्टन*

अब पुरानी दुनिया है तो यह मालूम होना चाहिए - बाप कब और कैसे आकर नई दुनिया स्थापन करते हैं। तुम्हारे में नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार जानते हैं। *बड़े ते बड़ा है बाप, बाकी फिर नम्बरवार महारथी, घोड़ेसवार, प्यादे हैं। कमान्डर, कैप्टन यह तो सिर्फ मिसाल दे समझाया जाता है।*

उत्तर 5- *A.एक हजार*

गरीब अथवा साहूकार धर्माऊ तो निकालते हैं ना। साहूकार जास्ती निकालेंगे, इसमें भी ऐसे हैं। कोई एक हज़ार निकालेंगे, कोई कम। कोई तो दो रूपये भी भेज देते हैं। कहते हैं एक रूपये की ईट लगा देना। एक रूपया 21 जन्मों के लिए जमा करना। यह है गुप्त। *गरीब का

एक रूपया, साहूकार का एक हजार, बराबर हो जाता है। * गरीब के पास है ही थोड़ा तो क्या कर सकते हैं। हिसाब है ना।

उत्तर 6- *C.सबको बाप का परिचय कैसे दें*

बच्चों को आपस में मिल राय निकालनी चाहिए कि सबको बाप का परिचय कैसे दें, यह है रूहानी सेवा। हम अपने भाई-बहिनों को चेतावनी कैसे दें कि बाप नई दुनिया स्थापन करने के लिए आये हैं। यह वही महाभारत लड़ाई है। मनुष्य तो यह भी समझते नहीं हैं कि महाभारत लड़ाई के बाद फिर क्या!

उत्तर 7- *B.हम ब्राह्मण*

तुम्हारी बुद्धि अभी कितनी विशाल, दूरादेशी हो गई है। तीनों लोकों को तुम जानते हो, मूलवतन जिसको निराकारी दुनिया कहा जाता है। बाकी सूक्ष्मवतन का कुछ भी है नहीं। कनेक्शन सारा है मूलवतन और स्थूलवतन

से। बाकी सूक्ष्मवतन तो थोड़ा टाइम के लिए है। बाकी आत्मायें सब ऊपर से यहाँ आती हैं पार्ट बजाने।

उत्तर 8- *D.संकल्प शक्ति जमा होती है और योग पावरफुल हो जाता है*

जब और सब संकल्प शान्त हो जाते हैं, बस एक बाप और आप - इस मिलन की अनुभूति का संकल्प रहता है *तब संकल्प शक्ति जमा होती है और योग पावरफुल हो जाता है,* इसके लिए समाने वा समेटने की शक्ति धारण करो। संकल्पों पर फुल ब्रेक लगे, ढीली नहीं।

उत्तर 9- *C.पुरानी को नई बनाना*

मनुष्य कहते रहते हैं - 6-7 वर्षों में इतना अनाज होगा, जो बात मत पूछो। देखो, उन्हों का प्लैन क्या है और तुम बच्चों का प्लैन क्या है? *बाप कहते हैं मेरा प्लैन

है पुरानी को नया बनाना।* तुम्हारा एक ही प्लैन है। जानते हो बाप की श्रीमत से हम अपना वर्सा ले रहे हैं।

उत्तर 10- *D.दूरादेशी*

इस बेहद के नाटक में आत्मा रूपी एक्टर जो यह चोला पहनकर पार्ट बजा रही है, इसे सतयुग से लेकर कलियुग तक पार्ट बजाना है। कोई भी एक्टर बीच में वापिस जा नहीं सकता। *दूरादेशी बनकर इस बेहद के नाटक को यथार्थ रीति समझना है।* सभी पार्टधारियों के पार्ट को साक्षी होकर देखना है।

उत्तर 11- *C.समाने की शक्ति*

जब और सब संकल्प शान्त हो जाते हैं, बस एक बाप और आप - इस मिलन की अनुभूति का संकल्प रहता है तब संकल्प शक्ति जमा होती है और योग पावरफुल हो जाता है, इसके लिए समाने वा समेटने की शक्ति धारण करो। संकल्पों पर फुल ब्रेक लगे, ढीली

नहीं। *अगर एक सेकण्ड के बजाए ज्यादा समय लग जाता है तो समाने की शक्ति कमजोर है।*

उत्तर 12- *C.अतीन्द्रिय सुख में झूलना*

अतीन्द्रिय सुख में झूलना - यह संगमयुगी ब्राह्मणों की विशेषता है। लेकिन मन्सा संकल्पों के बंधन आन्तरिक खुशी वा अतीन्द्रिय सुख का अनुभव करने नहीं देते। व्यर्थ संकल्पों, ईर्ष्या, अलबेलेपन वा आलस्य के संकल्पों के बंधन में बंधना ही मन्सा बंधन है।

उत्तर 13- *D.तुम विश्व की सर्विस करते हो*

बाप कहते हैं तुम कितने भाग्यशाली हो। भगवान खुद बैठ समझाते हैं तो तुमको कितना खुश रहना चाहिए। तुम्हारी यह पढ़ाई है ही नई दुनिया के लिए। *यह तुम्हारा जीवन बहुत अमूल्य है क्योंकि तुम विश्व की सर्विस करते हो।* बाप को बुलाते ही हैं कि आकर हेल को हेविन बनाओ। हेविनली गॉड फादर कहते हैं ना।

उत्तर 14- *D.उपरोक्त सभी*

इसका नाम ही है नर्क परन्तु अपने को नर्कवासी समझते थोड़ेही हैं। स्वयं का पता ही नहीं तो कह देते स्वर्ग-नर्क यहाँ ही है। जिसके मन में जो आया वह कह दिया। यह कोई स्वर्ग नहीं है। *स्वर्ग में तो किंगडम थी।* अभी तुम बच्चे सारी पुरानी दुनिया को भूलने का पुरुषार्थ करते हो क्योंकि तुम जानते हो *हम अब शिवालय, पावन दुनिया में जा रहे हैं।*

उत्तर 15- *D.पत्थरनाथ*

भारत जिसे सोने की चिड़िया कहते थे, अभी तो ठिक्कर की भी नहीं है। भारत 100 परसेन्ट सालवेन्ट था। अब 100 परसेन्ट इनसालवेन्ट है। *तुम जानते हो हम विश्व के मालिक पारसनाथ थे। फिर 84 जन्म लेते-लेते अब पत्थरनाथ बन पड़े हैं।* हैं तो मनुष्य ही परन्तु पारसनाथ और पत्थरनाथ कहा जाता है।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

व्यर्थ संकल्पों, ईर्ष्या, अलबेलेपन वा आलस्य के संकल्पों के बंधन में बंधना ही मन्सा बंधन है, ऐसी आत्मा अभिमान के वश दूसरों का ही दोष सोचती रहती है, उनकी महसूसता शक्ति समाप्त हो जाती है इसलिए इस सूक्ष्म बंधन से मुक्त बनो तब मुक्ति दाता बन सकेंगे।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (81) खण्ड - {162}

प्रश्न 1- बाप को ही कहा जाता है कालों का काल, महाकाल क्योंकि -

A- सभी आत्माओं की सद्गति करते हैं।

B- तुमको इन सब आसुरी बंधनों से छुड़ाकर सुख के दैवी सम्बन्ध में ले जाते हैं।

C- आत्माओं का पिता है।

D- सभी को शरीर से छुड़ाकर साथ ले जाते हैं।

प्रश्न 2- वर्ण कौन से धर्म में होते है ?

A- क्रिश्चियन

B- आदि सनातन देवी-देवता

C- हिन्दू

D- उपरोक्त सभी

3- खूबसूरती का आधार है -

A- पवित्रता

B- योग

C- बाप पर फिदा होना

D- बाप समान बनना

प्रश्न 4- शक्तिशाली कैसे बन जाएंगे जो सुनते हो -

A- उसे धारण करने से

B- उस पर मनन चिंतन करने से

C- उसका स्वरूप बनने से

D- उसे बार बार रिपीट करने से

प्रश्न 5- हमारा काम कौनसे धाम से है ?

A- मूलवतन

B- सूक्ष्मवतन

C- सृष्टि का चक्र

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- स्वर्ग

B- 16 कला

C- कृष्णपुरी

D- विष्णुपुरी

प्रश्न 7- रात्रि का भी ..... तक बिल्कुल खराब टाइम है।

A- 10 से 12

B- 10 से 1

C- 12 से 2

D- 11 से 2

प्रश्न 8- ट्रस्टी बनना अर्थात् -

A- निमित्त बनना

B- करन करावनहार की स्मृति

C- डबल लाइट फरिश्ता बनना

D- बलिहार जाना

प्रश्न 9- तुम ब्राह्मणों का अलौकिक धर्म है-

A- ज्ञान सुनना और सुनाना

B- सर्व आत्माओं को घर का रास्ता बताना

C- श्रीमत पर अलौकिक सेवा में तत्पर रहना

D- मन, वचन,कर्म की पवित्रता

प्रश्न 10- कभी बुलाते हो कि बाबा पारसपुरी में आकर थोड़ी विजिट तो लो ? पर बुलाते ही नहीं, क्योंकि-

A- बाबा को भूल जाते हैं

B- रावण नहीं है तो राम भी नहीं आते

C- दरकार नही

D- गायन भी है दुःख में सिमरण सब करें, पतित दुनिया में याद करते हैं, सुख में करे न कोई

प्रश्न 11- ज्ञान मानसरोवर। अर्थात् -

A- ज्ञान सागर

B- ज्ञान मुरली

C- मधुबन

D- परमधाम

प्रश्न 12- हम सारे विश्व के मालिक हैं यह हमें

कब स्मृति में रहता है ?

A- सतयुग में

B- संगमयुग में

C- त्रेतायुग में

D- सतयुग त्रेतायुग में

प्रश्न 13- अर्थात् भविष्य प्रालब्ध को यहाँ ही समाप्त कर देना है ?

A- महिमा को स्वीकार करना

B- कर्म फल की इच्छा करना

C- सिद्धि को स्वीकार कर लेना

D- सेवा में मैं पन

प्रश्न 14- श्रीकृष्ण हैं -

A- देवता

B- सूर्यवंशी

C- विष्णु

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 15- सतयुग में देहली को क्या कहते हैं ?

A- इन्द्रप्रस्थ

B- जमुना का कण्ठा

C- नई दिल्ली

D- परिस्तान

प्रश्न 16- विश्व किस को कहा जाता है ?

A- मूलवतन को

B- सूक्ष्मवतन को

C- इस सृष्टि को

D- उपरोक्त सभी

भाग (81) खण्ड {162} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.सभी को शरीर से छुड़ाकर साथ ले जाते हैं*

पतित पावन है ही एक बाप। तो वह जब आते हैं तो पावन जरूर बनना पड़े। *बाप को ही कहा जाता है कालों का काल, महाकाल। सभी को शरीर से छुड़ाकर साथ ले

जाते हैं।* यह है सुप्रीम गाइड। सभी आत्माओं को वापिस ले जाते हैं। यह छी-छी शरीर है, इनके बंधन से छूटना चाहते हैं।

उत्तर 2- *B.आदि सनातन देवी-देवता*

अभी तुम बच्चे जानते हो कैसे हम आत्मायें पार्ट बजाने के लिए परमधाम से आती हैं। हम शूद्र कुल में थी फिर अब ब्राह्मण कुल में आई हैं। *यह भी तुम्हारा वर्ण है और कोई धर्म वालों के लिए यह वर्ण नहीं हैं। उन्हों के वर्ण नहीं होते।* उनका तो एक ही वर्ण है, क्रिश्चियन ही चले आते हैं। हाँ, उनमें भी सतो-रजो-तमो में आते हैं। बाकी यह वर्ण तुम्हारे लिए हैं।

उत्तर 3- *A.पवित्रता*

" मीठे बच्चे - बाप तुम्हें पढ़ा रहे हैं खूबसूरत देवी-देवता बनाने, *खूबसूरती का आधार है पवित्रता*"

उत्तर 4- *C.उसका स्वरूप बनने से*

रोज़ मन में स्व के प्रति या औरों के प्रति उमंग-उत्साह का संकल्प लाओ। स्वयं भी उसी संकल्प का स्वरूप बनो और दूसरों की सेवा में भी लगाओ तो अपनी जीवन भी सदा के लिए उत्साह वाली हो जायेगी और दूसरों को भी उत्साह दिलाने वाले बन सकेंगे। *जो सुनते हो उसका स्वरूप बनो तो शक्तिशाली बन जायेंगे।*

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी*

इस बेहद के नाटक में फिर छोटे-छोटे नाटक भी अनेक बार चलते रहते हैं। सतयुग से कलियुग तक जो कुछ हुआ है वह रिपीट होता रहता है। ऊपर से लेकर अन्त तक तुम्हारी बुद्धि में है। *मूलवतन, सूक्ष्मवतन और सृष्टि का चक्र, बस, और कोई धाम से तुम्हारा काम नहीं। * तुम्हारा धर्म बहुत सुख देने वाला है।

उत्तर 6- *C. कृष्णपुरी*

अभी तुम ससुरघर विष्णुपुरी में जाते हो। उनको कृष्णपुरी नहीं कहेंगे। बच्चे की पुरी नहीं होती। विष्णुपुरी अर्थात् लक्ष्मी-नारायण की पुरी। तुम्हारा है राजयोग। तो जरूर नर से नारायण बनेंगे।

उत्तर 7- *A.10 से 12*

पढ़ाई सवेरे और शाम को होती है। दोपहर में वायुमण्डल ठीक नहीं होता है। *रात्रि का भी 10 से 12 तक बिल्कुल खराब टाइम है।* यहाँ तुम बच्चों को भी मेहनत करनी है, याद में रह सतोप्रधान बनने की। वहाँ तो सारा दिन काम-धंधे में रहते हो।

उत्तर 8- *C.डबल लाइट फरिश्ता बनना*

स्वयं को श्रेष्ठ संकल्पों से सम्पन्न बनाने के लिए ट्रस्टी बनकर रहो, *ट्रस्टी बनना अर्थात् डबल लाइट फरिश्ता बनना।* ऐसे बच्चों का हर श्रेष्ठ संकल्प सफल होता है। एक श्रेष्ठ संकल्प बच्चे का और हजार श्रेष्ठ

संकल्प का फल बाप द्वारा प्राप्त हो जाता है। एक का हजार गुणा मिल जाता है।

उत्तर 9- *C.श्रीमत पर अलौकिक सेवा में तत्पर रहना*

मनुष्यों को भी पता पड़ेगा, तुम्हारा आवाज़ फैलता रहेगा। *तुम ब्राह्मणों का अलौकिक धर्म है - श्रीमत पर अलौकिक सेवा में तत्पर रहना।* यह भी मनुष्यों को पता पड़ जायेगा कि तुम श्रीमत पर कितना ऊंच काम कर रहे हो। तुम्हारे जैसी अलौकिक सर्विस कोई कर न सके। तुम ब्राह्मण धर्म वाले ही ऐसा कर्म करते हो।

उत्तर 10- *D.गायन भी है दुःख में सिमरण सब करें,पतित दुनिया में याद करते हैं,सुख में करे न कोई*

बच्चे खुद पारसपुरी में आ जाते हैं। वहाँ तो मुझे कभी बुलाते ही नहीं हैं। कभी बुलाते हो कि बाबा पारसपुरी में आकर थोड़ी विजिट तो लो? बुलाते ही नहीं। *गायन भी है दुःख में सिमरण सब करें, पतित दुनिया में

याद करते हैं, सुख में करे न कोई।* न याद करते हैं, न बुलाते हैं।

उत्तर 11- *A.ज्ञान सागर*

अमृतसर में एक तालाब बना दिया है। तालाब में डुबकी मारते हैं। मानसरोवर नाम का भी एक तालाब बना दिया है। मानसरोवर का अर्थ भी नहीं समझते हैं। *मानसरोवर अर्थात् निराकार परमपिता परमात्मा ज्ञान सागर* मनुष्य के तन में आकर यह ज्ञान सुनाते हैं।

उत्तर 12- *B.संगमयुग में*

भगवानुवाच, बच्चों के आगे। मैं तुमको ऊंच ते ऊंच बनाता हूँ तो *तुम बच्चों को कितनी खुशी होनी चाहिए। समझते भी हो बाबा हमको सारे विश्व का मालिक बनाते हैं।* मनुष्य कहते परमपिता परमात्मा ऊंच ते ऊंच है। बाप खुद कहते हैं - मैं तो विश्व का मालिक बनता नहीं हूँ।

उत्तर 13- *C.सिद्धि को स्वीकार कर लेना*

स्लोगन:- *सिद्धि को स्वीकार कर लेना अर्थात् भविष्य प्रालब्ध को यहाँ ही समाप्त कर देना।*

उत्तर 14- *D. A और B*

शान्ति का सागर, पवित्रता का सागर, यह उस एक की ही महिमा है। दूसरे कोई की महिमा हो नहीं सकती। देवताओं की महिमा अलग है, परमपिता परमात्मा शिव की महिमा अलग है। वह है बाप। *श्रीकृष्ण है देवता। सूर्यवंशी* सो चन्द्रवंशी सो वैश्यवंशी....., मनुष्य हम सो का अर्थ भी समझते नहीं।

उत्तर 15- *D.परिस्तान*

दुनिया तो एक ही है। पुरानी दुनिया से फिर नई बनेगी। *नई दुनिया में नया भारत था तो उसमें देवी-देवता थे, कैपीटल भी जानते हो, जमुना का कण्ठा था, जिसको परिस्तान भी कहते थे।* वहाँ नैचुरल ब्युटी रहती है।

आत्मा पवित्र बन जाती है तो पवित्र आत्मा को शरीर भी पवित्र मिलता है।

उत्तर 16- *C.इस सृष्टि को*

बाप समझाते हैं - मीठे-मीठे बच्चों, मैं इस सृष्टि का मालिक नहीं हूँ। तुम मालिक बनते हो और फिर राज्य गँवाते हो। फिर बाप आकर विश्व का मालिक बनाते हैं। *विश्व इसको ही कहा जाता है। मूलवतन वा सूक्ष्मवतन की बात नहीं है।* मूलवतन से तुम यहाँ आकर 84 जन्म का चक्र लगाते हो।